



Ab

11 Dec 2019

03:30 PM

Jaipur Rly Station

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626813

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 11/12/2019  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 15:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 21:01:09 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Jaipur Rly Station  
राज्य \_\_\_\_\_: Rajasthan  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 26:54:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:48:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:26:48 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 15:03:12 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:06:58 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 20:22:32 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:05:32 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:34:19 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:28:47 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: हेमन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 24:55:07 वृश्चिक  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 22:49:49 मेष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रोहिणी - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: साध्य  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: सर्प  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: वा-वाणी  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: धनु



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 1 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
11/12/2019 21/01/2026	21/01/2026 21/01/2033	21/01/2033 21/01/2051	21/01/2051 21/01/2067	21/01/2067 21/01/2086
00/00/0000	मंगल 19/06/2026	राहु 04/10/2035	गुरु 10/03/2053	शनि 24/01/2070
00/00/0000	राहु 07/07/2027	गुरु 26/02/2038	शनि 22/09/2055	बुध 03/10/2072
11/12/2019	गुरु 12/06/2028	शनि 02/01/2041	बुध 27/12/2057	केतु 12/11/2073
गुरु 22/04/2020	शनि 22/07/2029	बुध 23/07/2043	केतु 03/12/2058	शुक्र 11/01/2077
शनि 21/11/2021	बुध 19/07/2030	केतु 09/08/2044	शुक्र 03/08/2061	सूर्य 24/12/2077
बुध 22/04/2023	केतु 16/12/2030	शुक्र 10/08/2047	सूर्य 23/05/2062	चंद्र 26/07/2079
केतु 21/11/2023	शुक्र 15/02/2032	सूर्य 04/07/2048	चंद्र 22/09/2063	मंगल 03/09/2080
शुक्र 22/07/2025	सूर्य 22/06/2032	चंद्र 03/01/2050	मंगल 27/08/2064	राहु 11/07/2083
सूर्य 21/01/2026	चंद्र 21/01/2033	मंगल 21/01/2051	राहु 21/01/2067	गुरु 21/01/2086

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
21/01/2086 22/01/2103	22/01/2103 22/01/2110	22/01/2110 22/01/2130	22/01/2130 22/01/2136	22/01/2136 00/00/0000
बुध 18/06/2088	केतु 20/06/2103	शुक्र 23/05/2113	सूर्य 11/05/2130	चंद्र 22/11/2136
केतु 16/06/2089	शुक्र 19/08/2104	सूर्य 24/05/2114	चंद्र 10/11/2130	मंगल 23/06/2137
शुक्र 16/04/2092	सूर्य 25/12/2104	चंद्र 22/01/2116	मंगल 18/03/2131	राहु 23/12/2138
सूर्य 20/02/2093	चंद्र 26/07/2105	मंगल 23/03/2117	राहु 10/02/2132	गुरु 12/12/2139
चंद्र 22/07/2094	मंगल 22/12/2105	राहु 23/03/2120	गुरु 28/11/2132	00/00/0000
मंगल 20/07/2095	राहु 10/01/2107	गुरु 22/11/2122	शनि 10/11/2133	00/00/0000
राहु 05/02/2098	गुरु 17/12/2107	शनि 22/01/2126	बुध 16/09/2134	00/00/0000
गुरु 14/05/2100	शनि 25/01/2109	बुध 22/11/2128	केतु 22/01/2135	00/00/0000
शनि 22/01/2103	बुध 22/01/2110	केतु 22/01/2130	शुक्र 22/01/2136	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृत्ति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृत्ति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवाबदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंहन बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नहीं मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नहीं करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्ता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।